4.46 म० प०

राष्ट्रीय हितों के लिए हानिकर गतिविधियों के सम्बन्ध में की गई गिरफ्तारियों के बारे में वक्तव्य

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : माननीय प्रधान मंत्री महोदय एक वक्तव्य देंगें ।

प्रधान मन्त्री (श्री राजीव गांधी) : अध्यक्ष महोदय, एक महत्वपूर्ण घटना पर मैं सभा को विश्वास में लेना चाहता हूं । जैसा आप जानते हैं प्रत्येक सरकार को गोपनीय सूचना और आसूचना को गुप्त रखने के बारे में पूरी सतर्कता बरतनी होती है मैंनें इसकी समीक्षा की है और सुरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाया है । सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि महत्वपूर्ण पदों पर काम करने वाले कुछ कर्मचारी राष्ट्रीय हित के विरुद्ध गतिविधियों में लगे हुए हैं। छानबीन चल रही है और कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं । मुझे विश्वास है कि माननीय सदस्य इस अवस्था पर और अधिक कुछ कहने के लिए मुझ पर जोर नहीं डालेंगे, क्योंकि इससे छानबीन में बाधा उपस्थित होगी ।

गरीबी समाप्त करने के लिए उपायों के बारे में संकल्प–जारी

[अनुवाद]

श्री प्रिय रंजन दास मुन्शी (हावड़ा) : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के सदस्य प्रो० मधु दण्डवते के संकल्प की विषय वस्तु का समर्थन नहीं करता हूं, परन्तु मैं इसकी भावना में सहभागी हूं । प्रो० मधु दण्डवते सभा में उपस्थित विद्वान सदस्यों में से एक हैं तथा वह आर्थिक विज्ञान और देश की अर्थव्यवस्था का ज्ञान रखते हैं । जब वह ऐसे मामलों तथा विषयों पर सभा के बाहर और भीतर बोलते हैं तो राजनीति और अर्थशास्त्र के छात्र होने के नाते हम कुछ सीखते हैं और अधिक सीखने का प्रयास करते हैं । परन्तु दुर्भाग्य से आज सदन में मुझ बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि प्रो० मधु दण्डवते के विचारों से सहमत होते हुए और उन के ज्ञान एंव विवेक से कायल होते हुए भी उनकी धारणा से सहमत नहीं हूं । उन्होंने बुद्धिमत्तापूर्वक कुछ मूल मामलों को छोड़ दिया है जो कि घोर गरीबी के लिए उत्तरदायी हैं और इसे और विकट बना दिया है ।

4.47 म० प०

[श्री शरद दिघे पीठासीन हुए]

प्रो० मधु दण्डवते ने अपने भाषण के अन्तिम भाग में, संकल्प पर बोलते हुए, बड़ी शालीनता से फिर से महात्मा गांधी को घसीटने का प्रयास किया है तथा हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री, जो कि कार्य कर रहे हैं, के बारे में कुछ बातों को उजागर किया है और आशंका प्रकट की है तथा यह कहा है कि गांवों में गरीबी रेखा को मिटाने के लिए कम्प्यूटर-प्रौद्योगिकी को नियमित रूप से नहीं अपनाया जाना चाहिए । इस प्रकार उन्होंने प्रधान मंत्री के इरादे के बारे में शंका प्रकट की । अत्यन्त विनय और आदर सहित मैं प्रो० मधु दण्डवते को यह याद दिलाना चाहूंगा कि महात्मा